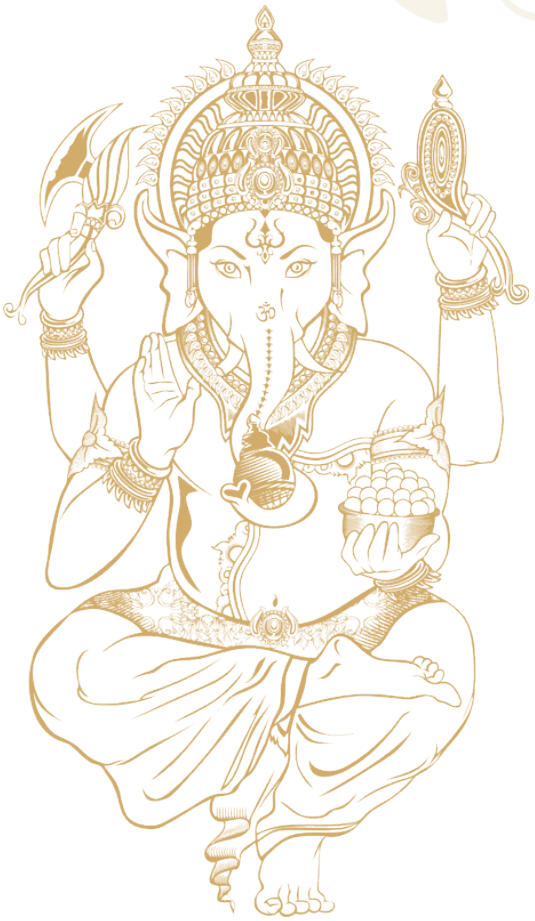

Akhil

Shivani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120034103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/08/1988	जन्म तिथि	25/11/1998
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 16:10:00	जन्म समय	19:55:00 घंटे
घटी 25:30:48	जन्म समय(घटी)	32:38:14 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Basoli
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	32:29:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	75:51:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:26:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:40	सूर्योदय	07:04:58
18:45:50	सूर्यास्त	17:21:59
23:42:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:19

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 8वर्ष 4मा 15दि		27:02:04	धनु	लग्न	मिथु	17:16:28	चन्द्र 0वर्ष 11मा 27दि	
शुक्र		12:36:07	सिंह	सूर्य	वृश्चि	09:16:20	गुरु	
13/01/2021		10:47:23	मीन	चंद्र	मक	22:00:36	22/11/2024	
13/01/2041		17:42:26	मीन व	मंगल	कन्या	05:08:10	22/11/2040	
शुक्र	14/05/2024	04:14:34	कन्या	बुध व	वृश्चि	22:16:50	गुरु	10/01/2027
सूर्य	15/05/2025	11:19:16	वृष	गुरु	कुंभ	24:34:23	शनि	24/07/2029
चन्द्र	13/01/2027	26:58:07	मिथु	शुक्र	वृश्चि	15:51:25	बुध	29/10/2031
मंगल	15/03/2028	02:13:47	धनु व	शनि व	मेष	03:57:11	केतु	04/10/2032
राहु	15/03/2031	20:22:40	कुंभ	राहु व	सिंह	02:02:19	शुक्र	05/06/2035
गुरु	13/11/2033	20:22:40	सिंह	केतु व	कुंभ	02:02:19	सूर्य	24/03/2036
शनि	13/01/2037	03:21:52	धनु व	हर्ष	मक	15:34:08	चन्द्र	24/07/2037
बुध	14/11/2039	13:49:51	धनु व	नेप	मक	06:06:04	मंगल	29/06/2038
केतु	13/01/2041	16:30:55	तुला	प्लूटो	वृश्चि	13:53:43	राहु	22/11/2040

लग्न-चलित

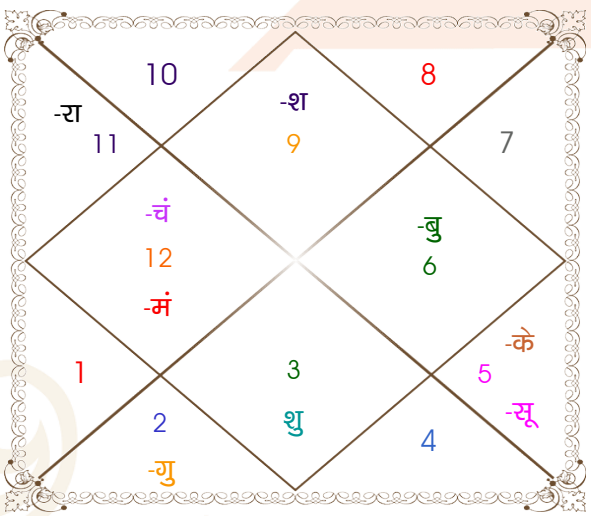

लग्न-चलित

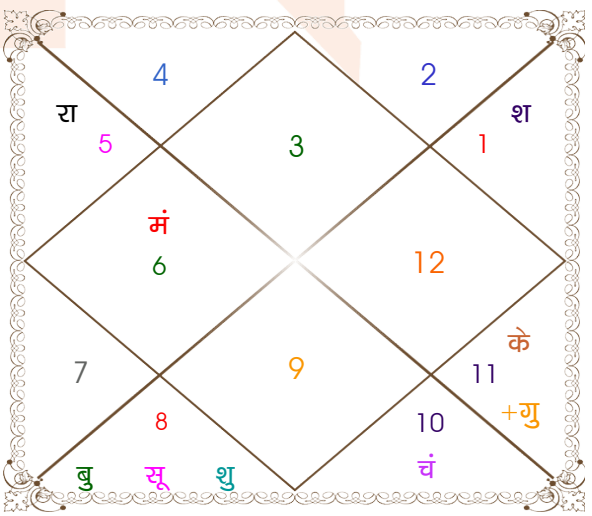

Maa
Ghagrore
9622861961
www.krishanchand4675@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Akhil का वर्ग सिंह है तथा Shivani का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Akhil और Shivani का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Akhil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Akhil कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Shivani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Shivani कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Akhil कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Akhil तथा Shivani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।